सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 107 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 21 मई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

जब मैं इस संसार में बुराई खोजने चला तो मुझे कोई बुरा न मिला। जब मैंने अपने मन में झाँक कर देखा तो पाया कि मुझसे बुरा कोई नहीं है।
-कबीर दास

प्लेऑफ के लिए आज मुंबई और दिल्ली... 7 | विस चुनाव के लिए बिहार में लगने... 3 | पूरी तरह से चौपट हो गई है प्रदेश... 2

बलिदान दिवस पर कांग्रेसियों ने लिया संकल्प

राजीव गांधी के अधूरे ख्वाबों को साकार करेंगे राहुल गांधी

» मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष समेत कई नेताओं ने पूर्व पीएम को किया याद

» पिता की पुण्यतिथि पर भावुक हुए नेता प्रतिपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक ऐसा नेता जिसने देश को कंप्यूटर, दूरसंचार और विज्ञान की दुनिया से जोड़ा। जिसने जवान भारत में नवाचार की लौ जलाई, लेकिन जिसे देश की राजनीति ने कभी पूरी तरह समझा ही नहीं। आज ही के दिन 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक आत्मघाती हमले में उनकी हत्या कर दी गई थी। आज उनको पीएम मोदी समेत देश के वरिष्ठ नेताओं ने श्रद्धांजलि दी।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने पिता पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के बलिदान दिवस पर एक कसम खाई हैं। उन्होंने राजीव गांधी के सपने को पूरा करने का संकल्प लिया है। उनके साथ पूरी कांग्रेस पार्टी खड़ी दिखाई दी और सभी ने एक स्वर में पूर्व पीएम के डिजिटल इंडिया के साथ प्रगतिशील, समावेशी और तकनीकी रूप से उन्नत भारत के निर्माण को पूरा करने की कसम खाई हैं। उन्होंने अपने पिता के नाम एक भावुक पोस्ट में लिखा है कि पापा आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। राहुल गांधी ने अपने आधिकारिक

पीएम मोदी ने भी दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व पीएम राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि आज उनकी पुण्यतिथि पर मैं हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वहीं राहुल गांधी ने लिखा है कि पापा आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। आपके अधूरे सपनों को साकार करना ही मेरा संकल्प है और मैं इन्हें पूरा करके रहूंगा। पूर्व पीएम राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वीर भूमि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पुण्यतिथि

लाखों भारतीयों में आशा की किरण थे पूर्व पीएम : खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए राजीव गांधी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, राजीव गांधी- भारत के एक महान सपूत ने लाखों भारतीयों में आशा की किरण जगाई। उनके दूरदर्शी और साहसी हस्तक्षेपों ने भारत को 21वीं सदी की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ममता ने भी किया याद

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने भी राजीव गांधी को याद किया। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि आज भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि। राजीव गांधी एक दूरदर्शी व्यक्ति थे और भारत के लिए शहीद हो गए।

एक्स अकाउंट पर दो तस्वीरों को भी शेयर किया है। एक तस्वीर में वह अपने पिता के साथ बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर राजीव गांधी की समाधि स्थल की है जहां राहुल अपने पिता को हाथ जोड़कर श्रद्धांजलि देते हुए नजर आ रहे हैं।

कर्नाटक के गृहमंत्री से जुड़े मेडिकल कॉलेज पर ईडी की रेड

» रान्या राव गोल्ड स्मगलिंग केस से जुड़ा है कनेक्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रन्या राव सोना तस्करी मामले में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर से जुड़े तुमकुरु के एक मेडिकल कॉलेज पर छापा मारा है। परमेश्वर को श्री सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर का अध्यक्ष बताया जाता है, जिस पर ईडी ने बुधवार को छापा मारा था। कर्नाटक के गृह मंत्री घर पर नहीं थे, लेकिन कथित तौर पर एक अज्ञात स्थान पर अपने सहयोगियों से मिल रहे थे।

मेडिकल कॉलेज और अनुसंधान केंद्र में ईडी की तलाशी तब हुई जब उसे अभिनेता रान्या राव सोना तस्करी मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच करते हुए संस्थान में लाया गया था।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने रिपोर्टों को किया था खारिज

हालांकि, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इन रिपोर्टों को खारिज कर दिया और इन्हें राजनीतिक गपशप कहा। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई), जिसने रान्या राव को सोने के साथ पकड़ा था, को कथित तौर पर उसके फोन पर कई राजनेताओं और पुलिस अधिकारियों के संपर्क नंबर मिले थे, जिनमें वर्तमान और पूर्व मंत्री भी शामिल थे।

अली खान महमूदाबाद को 'सुप्रीम' राहत

» शीर्ष अदालत से मिली अंतरिम जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को ऑपरेशन सिंदूर पर उनके विवादित पोस्ट के लिए अंतरिम जमानत दे दी, लेकिन मामले की जांच पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने हरियाणा के डीजीपी को निजी विश्व विद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर के खिलाफ मामले की जांच के लिए आईजी रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआईटी गठित करने का भी निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने महमूदाबाद को हाल ही में भारत-पाकिस्तान संघर्ष से संबंधित कोई भी ऑनलाइन सामग्री पोस्ट करने से रोक दिया है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को बरकरार रखते हुए, शीर्ष अदालत ने कहा कि महमूदाबाद के बयान कानूनी तौर पर डॉग व्हिसलिंग के अंतर्गत आते हैं। पीठ ने महमूदाबाद के शब्दों के चयन पर भी सवाल उठाया, जिसमें कहा गया कि वे सार्वजनिक विमर्श में रचनात्मक योगदान देने के बजाय दूसरों को अपमानित करने, अपमानित करने या असहज करने के इरादे से प्रतीत होते हैं। प्रोफेसर को 18 मई को सोनीपत के राई पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ दो एफआईआर दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया गया था।

शांति की अपील थी और इसका गलत अर्थ निकाला : अली

महमूदाबाद ने अपने पोस्ट का बचाव करते हुए कहा कि यह शांति की अपील थी और इसका गलत अर्थ निकाला जा रहा है। भारतीय सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे पर हमला किया।

जांच के लिए 3 आईपीएस अधिकारियों की एसआईटी बनाई

पूरी तरह से चौपट हो गई है प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था: अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- दूसरों पर कीचड़ उछालने में व्यस्त हैं डिप्टी सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पर फिर जोरदार हमला किया है। उन्होंने कहा प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट हो गई है। चिकित्सा और स्वास्थ्य मंत्री अपने विभागीय कामकाज में असफलता से ध्यान भटकाने के लिए दूसरों पर कीचड़ उछालने के काम में ज्यादा रुचि ले रहे है। उधर, कन्नौज के छिबरामऊ में निजी अस्पताल में डॉक्टरों की लापरवाही से रुचि गुप्ता की जान चली गई। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि अस्पतालों में मरीजों का इलाज कम दुर्व्यवहार की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं।

स्वास्थ्य विभाग भ्रष्टाचार की गिरफ्त में है। विभागीय मंत्री अस्पतालों और चिकित्सालयों की व्यवस्था सुधारने और मरीजों के इलाज के बजाय दूसरे कामों में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकारी और निजी अस्पतालों में मनमानी चरम पर है। भाजपा सरकार मरीजों और उनके तीमारदारों को इलाज और न्याय दिलाने के बजाय पीड़ितों पर लाठीचार्ज करती है। अस्पतालों में दवा, जांचें और उचित इलाज नहीं अक्सर लोगों के लिए जानलेवा साबित होती है। उन्होंने कोविड महामारी की पिछली लहर के दौरान सरकार द्वारा लगवायी कोविड-19 टीके की प्रभावशीलता पर भी संदेह जताते हुए कहा, ''अब तो कोरोना का वो टीका भी नाकाम साबित हो चुका है, जिसके सर्टिफिकेट बढ़-चढ़कर बांटें गये थे। इसीलिए इस बार सजगता की और भी अधिक जरूरत है। यादव ने कहा, ''हम सबको जनता को ये समझाना है कि कोरोना के हालात अभी बेहद गंभीर नहीं हैं, फिर भी इसके प्रति उपेक्षा न बरती जाए क्योंकि ऐसी बीमारियां रूप बदलकर आती हैं। अतः सरकार अपने स्वास्थ्य-चिकित्सा और सूचना तंत्र का सदुपयोग करे और जनता में कोरोना का भय न फैलने दे।

मरीज निजी अस्पतालों में जाने को मजबूर

पूर्व सीएम ने कहा कि मरीज निजी अस्पतालों में जाने को मजबूर हो रहे हैं। समाजवादी सरकार में जौनपुर, आजमगढ़, जालौन, कन्नौज समेत कई जिलों में मेडिकल कॉलेज बनाए गए। लखनऊ में विश्वस्तरीय कैंसर संस्थान बनाया गया, लेकिन सरकार ने इलाज और सुविधाओं के लिए पर्याप्त बजट तक नहीं दिया है।

कोविड कुप्रबंधन को रोकने के लिए फौरन कदम उठाये सरकार

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोविड-19 की पिछली लहर के दौरान देखी गई ''लापरवाही और बदइंतजामी'' न दोहराने के लिये सरकार को आगाह किया और कहा कि इसके प्रति लापरवाही बरती जाए। यादव ने यह टिप्पणी संक्रमण की संभावित नई लहर के बारे में बढ़ती चिंताओं के बीच की है। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''खतरे की घंटी बजने से पहले कोरोना के नियंत्रण और रोकथाम के लिए सरकार को समय रहते चेतना होगा, पिछली बार की तरह की लापरवाही व बदइंतजामी की चूक फिर से न दोहराई जाए। भाजपा की चूक

दिल्ली के सरकारी स्कूलों को भाजपा ने किया बर्बाद: अरविंद केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» आप ने लांच किया स्टूडेंट विंग

नई दिल्ली। आप ने अपनी आधिकारिक छात्र शाखा- वैकल्पिक राजनीति के लिए छात्र संघ का शुभारंभ किया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज हम जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, उनकी जड़ें आज की राजनीति में हैं, जिसे हम मुख्यधारा की राजनीति कहते हैं, कांग्रेस, भाजपा और अन्य दलों की राजनीति, जो 75 साल से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि जब आप 10 साल तक दिल्ली में सत्ता में थी, तब 24 घंटे बिजली आती थी।

आज दिल्ली में बिजली कटौती हो रही है। केजरीवाल ने कहा कि हमने दिल्ली में जिस तरह की राजनीति की है, वह वैकल्पिक राजनीति है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि लोगों को अच्छी शिक्षा मिले, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। वे ऐसा नहीं चाहते। अभी तीन महीने भी नहीं हुए हैं और भाजपा सरकार ने सरकारी स्कूलों को बर्बाद करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे देश को आजाद हुए 75 साल हो गए हैं लेकिन आज भी हमारे सामने तमाम समस्याएं बनी हुई हैं। इन सभी समस्याओं की जड़ सिर्फ मुख्य धारा राजनीति ही है और विकल्प राजनीति से देश की तमाम समस्याओं को खत्म किया जा सकता है। अरविंद केजरीवाल ने लॉन्च के मौके पर कहा, देश स्वास्थ्य सेवा की कमी, बेरोजगारी, खाद्य सुरक्षा, बुनियादी ढांचे की कमी जैसी बुनियादी समस्याओं का सामना कर रहा है। इसके पीछे की वजह राजनीति है जिसे हम मुख्यधारा की राजनीति भी कहते हैं। यह देश की सभी समस्याओं की जड़ है। कई लोग कहते हैं कि मेरा राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है राजनीति हर किसी को प्रभावित करती है- आपको जो सत्ता मिलती है वह भी राजनीति से जुड़ी होती है।

सिसोदिया ने किया 10वीं-12वीं टॉपर्स से मुलाकात

दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने 10वीं-12वीं के टॉपर्स से मुलाकात की। यह सभी छात्र दिल्ली सरकार के स्कूल से हैं। मुलाकात के दौरान सिसोदिया ने बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। इन बच्चों को आप के विधायकों ने पूर्व मंत्री से मिलवाया था।इस दौरान सिसोदिया ने कहा, सभी बच्चों ने अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत खुद का, अपने स्कूल का, अपने पेरेंट्स का और पूरी दिल्ली का मान बढ़ाया।2015 में दिल्ली में सरकारी स्कूल जर्जर हाल में होते थे। क्लासरूम में डेस्क नहीं, ब्लैकबोर्ड नहीं, पंखें नहीं, टूटी दीवारें-खिड़कियां और बदहाल टॉयलेट सरकारी स्कूल का पर्याय बन चुके थे। लेकिन हमनें सरकारी स्कूलों को बदलने का काम किया। स्कूलों को शानदार बनाया और बच्चों की बेहतर पढ़ाई पर निवेश किया, मेहनत की और आज आप बच्चों के शानदार रिजल्ट के रूप में, आपकी तरक्की के रूप में उसका परिणाम सभी के सामने है।

राहुल गांधी से डरी हुई है बिहार सरकार: शकील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दरभंगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री डॉ. शकील अहमद ने कहा कि बिहार सरकार राहुल गांधी से डर गई है। इसी वजह से दरभंगा में आयोजित शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम में बाधा पहुंचाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि तमाम अड़चनों के बावजूद राहुल गांधी अंबेडकर छात्रावास पहुंचे और छात्रों से संवाद करने में सफल रहे।

डॉ. शकील ने कहा कि राहुल गांधी को रोकने की कोशिश से जो संदेश जनता में गया है, उसका राजनीतिक खामियाजा नीतीश सरकार को भुगतना पड़ेगा। उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की बात पर राहुल गांधी खुद कह चुके हैं कि ऐसे 30 मुकदमे पहले से दर्ज हैं, जो उनके लिए मेडल की तरह हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उसकी नीयत सही नहीं है और वह लोकतांत्रिक मूल्यों को दबाने की कोशिश कर रही है। डॉ. शकील ने अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा मध्यस्थता की बात कहे जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच 1972 में हुआ शिमला समझौता स्पष्ट रूप से कहता है कि कश्मीर के मुद्दे पर भारत-पाक के अलावा किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी। लेकिन इस बार अमेरिकी राष्ट्रपति खुलेआम कह रहे हैं कि उन्होंने हस्तक्षेप कर युद्ध रुकवाया। यह भारत के परंपरागत विदेश नीति के रुख का सीधा उल्लंघन है।

मदरसों के प्रति नजरिया बदले सरकार: मायावती

बसपा प्रमुख बोलीं- सरकारी स्कूलों के दाखिले में 22 लाख की गिरावट चिंतनीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि स्कूलों में होने वाले दाखिले में 22 लाख की गिरावट आना चिंता की बात है। सरकार को स्कूली शिक्षा का महत्व समझना चाहिए। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि सरकारी स्कूलों में होने वाले दाखिले में बच्चों की संख्या में गिरावट होना चिंता की बात है। सरकार को शिक्षा के महत्व व जरूरत पर उचित ध्यान देना चाहिए।

वहीं, उन्होंने ये भी कहा कि सरकार मदरसों को लेकर अपना नजरिया बदले। उन्हें अवैध बताकर बंद करना अनुचित है। उन्होंने सोशल साइट एक्स पर कहा कि यूपी के प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूलों में सन 2023-24 में 1.74 करोड़ दाखिले हुए किन्तु 2024-25 में मात्र 1.52 करोड़ अर्थात स्कूल दाखिला में लगभग 22 लाख की गिरावट सरकारी स्कूल व्यवस्था की ऐसी बदहाल स्थिति गंभीर व चिन्तनीय है। शिक्षा के महत्व व जरूरत पर सरकार का उचित ध्यान जरूरी है।फिर भी सस्ती व सुलभ व्यवस्था के तहत मदरसों आदि की प्राइवेट व्यवस्था के विरुद्ध सरकार का रवैया सहयोग का होने के बजाय उन्हें अवैध बताकर बंद करने का होना बुनियादी शिक्षा की जरूरत को और कमजोर करने वाला गैर-जरूरी व अनुचित कदम है।

निजी मदरसों के प्रति सरकार अपना रवैया बदले तो बेहतर होगा।उन्होंने कहा कि वैसे तो सरकारी स्कूलों के हालात देश के अधिकतर राज्यों में काफी खराब हैं किन्तु यूपी व बिहार में यह अति-दयनीय होने से बहुजन गरीब परिवारों का बहुप्रतीक्षित विकास बाधित व इनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय होगा। ऐसे में स्कूल शिक्षा पर ध्यान देकर इन्हें बंद करने के बजाय प्रोत्साहन जरूरी है।बता दें कि अवैध तरीके से चल रहे मदरसों पर कार्रवाई करते हुए सरकार उन्हें बंद कर रही है और अतिक्रमण कर बनाई गई इमारतों को ढहा रही है।

हरदोई, बलिया सहित कई जिलों के डीएम बदले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शासन ने हरदोई, बलिया, महराजगंज और पीलीभीत के डीएम समेत 14 आईएएस और 6 पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। अपर मुख्य सचिव, वित्त, प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा दीपक कुमार को वर्तमान पदों के साथ कृषि उत्पादन आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अब तक यह अतिरिक्त प्रभार मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के पास था।

हरदोई के डीएम मंगला प्रसाद सिंह को बलिया का डीएम और बलिया के डीएम प्रवीण कुमार लक्षकार को संयुक्त प्रबंध निदेशक उप्र. जल निगम नगरीय बनाया गया है। महराजगंज के डीएम अनुनय झा को हरदोई का डीएम और अयोध्या तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी व अयोध्या के नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा को महराजगंज का डीएम बनाया गया है। सीडीओ सिद्धार्थनगर जयेंद्र कुमार को मुख्य कार्यपालक अधिकारी अयोध्या तीर्थ विकास परिषद तथा नगर आयुक्त अयोध्या, मृणाली अविनाश जोशी संयुक्त मजिस्ट्रेट गोरखपुर को सीडीओ सिद्धार्थनगर, रविंद्र कुमार प्रथम विशेष सचिव संस्कृति विभाग तथा निदेशक धर्मार्थ कार्य को विशेष सचिव कृषि, कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार तथा कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। संयुक्त प्रबंध निदेशक उप्र. जल निगम नगरीय ज्ञानेंद्र सिंह को पीलीभीत का डीएम बनाया गया है। पीलीभीत के डीएम संजय कुमार सिंह को विशेष सचिव संस्कृति विभाग तथा निदेशक धर्मार्थ कार्य बनाया गया है। अपूर्वा दुबे उपाध्यक्ष अलीगढ़ विप्रा को निदेशक सूडा, कुलदीप मीणा सीडीओ बुलंदशहर को उपाध्यक्ष अलीगढ़ विप्रा, निशा संयुक्त मजिस्ट्रेट मथुरा को सीडीओ बुलंदशहर और प्रेरणा शर्मा निदेशक सूडा को विशेष सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बनाया गया है।

विस चुनाव के लिए बिहार में लगने लगे दावं

राहुल गांधी के दौरे के बाद भाजपा व जदयू आक्रामक

- सभी पार्टियों ने दुरुस्त किए कील व कांटे
- विपक्ष के निशाने पर सीएम नीतीश कुमार
- राजद समेत अन्य दल राज्य के खाक छानने में जुटे
- बसपा के हाथ में सत्ता की चाभी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। अभी बिहार में विधान सभा चुनाव में पांच माह से ज्यादा वक्त है पर वहां की राजनीति में फिर नई हलचल पैदा हो गई जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने विपक्षी गठबंधन इंडिया की रणनीति और एकजुटता पर सवाल उठाते हुए भाजपा की मजबूती की सराहना की। इस बयान के बाद जहां सियासी हलकों में चर्चाओं का दौर शुरू हुआ, वहीं कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने इस विवाद को शांत करने और गठबंधन की मजबूती को दोहराने के उद्देश्य से बड़ा बयान दिया है। उधर बसपा ने कहा हे कि सत्ता की चाभी उसके हाथ में होगी। इनसे सबके बीच पीएम मोदी पर दरभंगा पहुंचे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बोलों पर भी बवाल मचा।

भाजपा जदयू कांग्रेस पर हमलावार हो गई हैं। वहीं राजद, सुराज पार्टी, लोजपा व हम के साथ-साथ छोटी-छोटी पार्टियां भी अपने कील कांटे दुरुस्त करने में लग गई हैं। वहीं सभी विपक्षी दल सीएम नीतीश कुमार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। वहीं आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने कैमूर जिले में अपनी राजनीतिक मौजूदगी को मजबूती से दर्ज कराया है। संगठन की समीक्षा बैठक के बहाने पार्टी ने न सिर्फ अपने कार्यकर्ताओं को एकजुट किया, बल्कि आने वाले चुनावों में दमदारी से उतरने का एलान भी किया। इस बैठक में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद और बसपा के वरिष्ठ नेता रामजी प्रसाद गौतम विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने मंच से साफ कहा कि बिहार में सत्ता की चाबी बसपा के हाथ में होगी। रामजी गौतम ने केंद्र और राज्य की सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को देश के किसी भी हिस्से में जाने से नहीं रोका जाता, लेकिन जब कोई आयोजन होता है तो उसकी अनुमति और सूचना पहले से दी जाती है। अगर इसी प्रक्रिया में बिहार में किसी आयोजन को लेकर कोई रोका-टोकी हुई है तो यह गलत है। राज्यसभा सांसद ने स्पष्ट किया कि बसपा आगामी विधानसभा चुनाव अकेले दम पर लड़ेगी और पार्टी को पूर्ण विश्वास है कि बिना बसपा के किसी की सरकार नहीं बन पाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी न तो किसी गठबंधन में जाएगी और न ही किसी पार्टी की पिछलग्गू बनेगी। बिहार की सत्ता में आने के लिए बसपा अब पूरी तरह से तैयार है।

राजद सदस्यता को बढ़ा कर बनाएगा पैठ

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने संगठन सत्र 2025-2028 के लिए पार्टी सदस्यता अभियान का अंतिम प्रकाशन कर एक बार फिर अपने सांगठनिक आधार को मजबूत करने का संकेत दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. रामचन्द्र पूर्वे ने अंतिम सदस्य सूची जारी कर बताया कि इस बार कुल सदस्यता संख्या एक करोड़ छह लाख सत्तानबे हजार (1,06,97,000) तक पहुंच चुकी है, जो पूर्व निर्धारित लक्ष्य से लगभग सात लाख अधिक है। यह घोषणा पार्टी के पटना कार्यालय में हुई, जिसमें डॉ. पूर्वे के साथ राष्ट्रीय सहायक निर्वाचन पदाधिकारी चित्तरंजन गगन, राज्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. तनवीर हसन, सहायक राज्य निर्वाचन पदाधिकारी ई. अशोक यादव, देव किशुन ठाकुर और सारिका पासवान मौजूद रहे। इसी के साथ राजद के संगठनात्मक चुनावों की प्रक्रिया भी विधिवत प्रारंभ हो गई है।

पांच जुलाई को चुना जाएगा राष्ट्रीय अध्यक्ष

राजद के संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और संविधानसम्मत तरीके से संपन्न कराने की तैयारी भी पूरी हो चुकी है। 17 मई को सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों और सहायक जिला पदाधिकारियों की बैठक बुलाई गई है, जिसमें उन्हें प्रमाणित सदस्य सूची सौंपी जाएगी। चुनावी कार्यक्रम के अनुसार, 29 मई तक प्राथमिक इकाई, पंचायत और प्रखंड इकाइयों के सदस्य चुने जाएंगे। 31 मई से दो जून तक प्रखंड इकाइयों से जिला परिषद के सदस्य चुने जाएंगे। पांच जून से 11 जून तक जिला इकाइयों और राज्य परिषद के सदस्य चुने जाएंगे। 13 जून को राज्य परिषद की अंतिम सूची प्रकाशित होगी और राज्य इकाई के चुनाव की प्रक्रिया आरंभ होगी। 21 जून को प्रदेश अध्यक्ष, राज्य कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का चुनाव संपन्न होगा। 24 जून को राष्ट्रीय परिषद की सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। पांच जुलाई को पार्टी स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव संपन्न किया जाएगा।

बिहार और झारखंड में हुआ राजद का जबरदस्त विस्तार

बिहार में पहले से बने सदस्यों के नवीनीकरण और नए सदस्यों को मिलाकर कुल संख्या 98 लाख 64 हजार 203 हो चुकी है। वहीं, झारखंड और अन्य प्रदेशों में यह आंकड़ा 8 लाख 32 हजार 806 रहा। इससे स्पष्ट है कि राजद का जनाधार राज्य की सीमाओं से परे भी मजबूती से विस्तृत हो रहा है।

बसपा ने गद्दारी करने वालों को दी चेतावनी

इस समीक्षा बैठक में बसपा के केंद्रीय प्रभारी अनिल कुमार पटेल भी मौजूद थे, जिन्होंने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमने कैमूर की चारों विधानसभा सीटों पर जीत की रणनीति बनाई है। अब मैदान में उतरने से पहले हम जान रहे हैं कि हमारी ताकत कितनी है। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य विकास सिंह उर्फ लल्लू पटेल और नगर परिषद सभापति विकास तिवारी उर्फ बब्लू तिवारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता

उपस्थित रहे। सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में आगामी चुनाव में बसपा को मजबूत विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने का संकल्प लिया।

पीएम मोदी के लिए राहुल गांधी के बोल पर भी बवाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के जातीय जनगणना वाले बयान पर सियासत तेज हो गई है। अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष व सांसद संजय झा ने राहुल गांधी पर हमला बोला है। सोशल मीडिया पर राहुल गांधी का वीडियो शेयर करते हुए संजय झा ने लिखा कि पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ असभ्य और दंभपूर्ण भाषा का प्रयोग कर राहुल गांधी ने यह साबित कर दिया कि वह सबसे ज्यादा घमंडी नेता हैं। संजय झा ने दावा किया कि आगामी चुनाव में बिहार की जनता राहुल गांधी का घमंड चूर कर देगी।सांसद संजय झा ने राहुल गांधी के बयान का जिक्र किया। इसमें राहुल गांधी ने कहा था, हमने नरेंद्र मोदी से कहा, तुम्हें जाति जनगणना करना । हमने उससे (मोदी से) कहा कि तुम्हें संविधान को यहां माथे पर लगाना पड़ेगा...। इस बयान का वीडियो शेयर करते हुए संजय झा ने लिखा कि मधुर बोल के लिए विख्यात मिथिला में कल अपने भाषण में देश के प्रधानमंत्री मोदी के प्रति असभ्य एवं दंभपूर्ण भाषा का प्रयोग कर

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यह तो साबित कर दिया कि घमंडिया गठबंधन के सबसे घमंडी नेता वही हैं। सांसद संजय झा ने कहा कि राहुल गांधी यह भूल गये कि चंपारण सत्याग्रह और जेपी आंदोलन की धरती बिहार ने अच्छे-अच्छों के दंभ चकनाचूर कर दिये हैं। थोड़ा इंतजार कीजिए, इंडियन स्टेट से लड़ाई का ऐलान करने और अवसर विदेश जाकर देश का अपमान करने वाले नेता प्रतिपक्ष का दंभ भी बिहार की जनता आगामी चुनाव में चूर-चूर कर देगी।

बिहार में बदलाव की लहर : तारिक अनवर

कटिहार से कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने स्पष्ट कहा कि पी. चिदंबरम जैसे वरिष्ठ नेता के विचारों को बेवजह विवाद का रूप नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह बयान आलोचना नहीं, बल्कि आत्मविश्लेषण की भावना से दिया गया है, जिसे पार्टी के लोकतांत्रिक ढांचे का हिस्सा माना जाना चाहिए। अनवर ने भरोसा जताया कि बिहार में महागठबंधन पूरी तरह संगठित, सक्रिय और जनता के साथ है। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में जनता महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों पर वोट करेगी। उन्होंने कहा कि बदलाव की इस लहर में महागठबंधन की जीत सुनिश्चित है। सांसद तारिक अनवर ने चिदंबरम के बयान को लेकर उठे विवाद को गैरजरूरी बताते हुए कहा कि पार्टी के भीतर स्वस्थ संवाद और आलोचना से ही संगठन मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों या क्षेत्रों में गठबंधन की रणनीति में खामी हो सकती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि पूरे देश में एकजुटता नहीं है। विशेष रूप से बिहार में महागठबंधन मजबूत स्थिति में है और वहां कार्यकर्ताओं में जोश और समर्पण स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। तारिक अनवर ने भाजपा सरकार की नीतियों पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक विषमता से तंग आ चुकी है। सरकार की नीतियां जनविरोधी साबित हुई हैं और लोग बदलाव चाहते हैं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन एकमात्र विकल्प बनकर उभरा है जो लोकतंत्र को बचाने और संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।कटिहार में अपने संबोधन के दौरान तारिक अनवर ने महागठबंधन के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे एकता, अनुशासन और समर्पण के साथ चुनावी मैदान में उतरें। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा का है। अनवर ने विश्वास जताया कि इस बार बिहार ही नहीं, दिल्ली तक बदलाव की बयार बहेगी और महागठबंधन की जीत तय होगी।

हर बूथ पर सक्रिय सदस्य, युवाओं की भागीदारी बढ़ी

चित्तरंजन गगन ने बताया कि सदस्यता अभियान में सबसे अधिक भागीदारी युवाओं की रही है। इस बार के सदस्यता अभियान में सात लाख से ज्यादा ऐसे युवा जुड़े हैं जो आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में पहली बार मतदान करेंगे। इसके अलावा, 77 हजार से अधिक मतदान केंद्रों पर कम से कम दो सक्रिय सदस्य राजद से जुड़े हैं, जो सभी वर्गों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

एक करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य पूरा

यह उल्लेखनीय है कि 19 सितंबर 2024 को सदस्यता अभियान की शुरुआत राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद ने दिल्ली में और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पटना में करते हुए एक करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा था। आज उस लक्ष्य को पार कर पार्टी ने सांगठनिक रूप से खुद को और भी सशक्त बनाने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। चित्तरंजन गगन ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान सभी स्तरों पर लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन किया जाएगा और संगठन के भीतर सभी इकाइयों के लिए एक समान अवसर सुनिश्चित किया जाएगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पिघलते ग्लेशियर आने वाले खतरे का संकेत!

गर्मी की वजह पहाड़ों पर ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने की खबरें आम हो रही हैं। दुनिया भर में इस पर चिंता जताई जा रही है। भूवैज्ञानिकों ने कहा इससे नदियों व समुद्रों के जल स्तर में वृद्धि होगी इससे वहां के रहने वाले लोंगों को बाढ़ व सुनामी जैसे खतरों के साये में रहना होगा। अभी दो चार दिन पहले ही भारत, भूटान, नेपाल और चीन के चुनिंदा ग्लेशियलोजिस्टों ने समुद्र तल से करीब 5100 मीटर उंचे याला ग्लेशियर के मौत की अनोखी शोकसभा का आयोजन कर दुनिया के देशों को ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव के प्रति सावचेत करने का प्रयास किया है। हांलाकि किसी ग्लेशियर की मौत की विधिवत घोषणा और मातम सभा के आयोजन का यह कोई पहला मौका नहीं है। पिछले सात सालों में यह तीसरा मौका है जब ग्लेशियर की मौत की शोक सभा का आयोजन और उस स्थल पर पट्टिका लगाने का काम हुआ है। इससे पहले 2019 में आइसलैण्ड के ओक और 2021 में मैक्सिको के ओयोलोको ग्लेषियर के मौत की शोकसभा का आयोजन किया जा चुका है।

“ पिछले सात सालों में यह तीसरा मौका है जब ग्लेशियर की मौत की शोक सभा का आयोजन और उस स्थल पर पट्टिका लगाने का काम हुआ है। इससे पहले 2019 में आइसलैण्ड के ओक और 2021 में मैक्सिको के ओयोलोको ग्लेषियर के मौत की शोकसभा का आयोजन किया जा चुका है। ग्लोबल वार्मिंग दुनिया को किस दिशा में ले जा रही है और किस तरह के प्रभाव हमें पिछले सालों से लगातार देखने को मिल रहे हैं उनमें से ग्लेशियरों के नष्ट होना तो केवल और केवल एक पक्ष मात्र है।

ग्लोबल वार्मिंग दुनिया को किस दिशा में ले जा रही है और किस तरह के प्रभाव हमें पिछले सालों से लगातार देखने को मिल रहे हैं उनमें से ग्लेशियरों के नष्ट होना तो केवल और केवल एक पक्ष मात्र है। जबकि ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियरों के पिघलने के बारे में विशेषज्ञ वैज्ञानिक लगातार सावचेत करते रहे हैं। जब कोई ग्लेशियर इस हालात में आ जाता है कि उसका मूवमेंट ही लगभग समाप्त हो जाता है तो वह ग्लेशियर मृत श्रेणी में आ जाता है। ग्लोबल वार्मिंग और ग्लेशियरों के पिघलने के कारण सूखा, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, तापमान में अत्यधिकता जैसे साल दर साल गर्मी में तेजी और असमय तेज गर्मी, तेज वर्षात और तेज सर्दी प्रभावित कर रही है। जंगलों में आग के कारण जिस तरह से जंगल और जंगल की जीव विविधता प्रभावित हो रही है और जंगल रेगिस्तान में तब्दील हो रहे हैं यह अपने आपमें गंभीर है। इसी तरह से मौसम में अनावश्यक बदलावों के कारण नई नई बीमारियों के साथ ही विलुप्त बीमारियां जैसे मलेरिया और वायरस जनित बीमारियों का बढ़ता प्रकोप, दवाओं की असरता कम होना और ना जाने इस तरह के क्या क्या परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं यह आज सारी दुनिया के सामने हैं। ग्लोबल वार्मिंग के चलते सूखा और रेगिस्तान का विस्तार लगातार होता जा रहा है। पिछले सालों में दुनिया के देशों में चक्रवातों का चक्र तेजी से बदला है और तूफानों की तीव्रता और फ्रिक्वेंसी में तेजी आई है। इसके साथ ही भूकंपों की सक्रियता बढ़ रही है। अब तूफान और भूकंपों की फ्रिक्वेंसी तो इस कदर बढ़ गई है कि कब भूकंप आ जाये और कब समुद्र तट की और बढ़ते तूफान की घोषणा हो जाए यह आये दिन देखने को मिल रहा हे। दुनियाभर के देश ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों से प्रभावित है। जिस तरह के बडे बड़े सम्मेलनों में दुनिया के नेता ग्लोबलवार्मिंग को लेकर चिंतन मनन को जुट तो जाते हैं पर परिणाम अभी तक जो सामने दिखाई दे रहे हैं पह गंभीर संकट की और साफ इशारा समझने की आवश्यकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अब निजता और व्यक्तिगत आजादी को तरजीह

डॉ. सुधीर कुमार

अगर पति-पत्नी अलग हो जाते हैं, तो कानून एक को मजबूर कर सकता है कि वह वापस दूसरे के साथ जाकर रहे। इसे वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना कहते हैं। भारतीय कानून में, यह प्रावधान प्रमुखत: हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9 के तहत आता है। यानी अगर किसी पति या पत्नी को बिना किसी वजह छोड़ दिया है, तो यह कानून उन्हें अदालत में जाकर कहने का अधिकार देता है कि वे अपना वैवाहिक जीवन फिर शुरू करना चाहते हैं। इसे कहते हैं, 'चलो फिर से साथ रहो' का कानूनी तरीका। लेकिन आजकल लोग अपनी आजादी और मर्जी को ज़्यादा मानने लगे हैं। अदालतें भी सोचने लगी हैं कि किसी को जबरदस्ती साथ रहने के लिए कहना ठीक नहीं। इसलिए, अब वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना पहले जितना आसान नहीं रहा। अदालतें अब यह देखती हैं कि क्या वाकई दोनों साथ रह सकते हैं या फिर उन्हें अपनी जिंदगी अपनी मर्जी से जीने का हक है। अब यह ज़्यादा 'पसंद' की बात हो गई है, न कि सिर्फ कर्तव्य की। अब कानून नहीं कहता कि हर हाल में साथ रहो। देखता है कि क्या दोनों अपनी इच्छा से साथ रहना चाहते हैं।

पहले माना जाता था कि विवाह में पति-पत्नी का एक साथ रहना उनका कर्तव्य है, और यदि कोई एक साथी अलग रहना चाहता था, तो अदालत उसे वापस आने के लिए मजबूर कर सकती थी। लेकिन, अब अदालतें भी समझने लगी हैं कि किसी को उसकी इच्छा के विरुद्ध रिश्ते में रहने को मजबूर करना सही नहीं। कानून 'कर्तव्य' से 'पसंद' की ओर बढ़ रहा है। कई अन्य देशों में, वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना का कानून या तो पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है, या इसे बहुत ही कम और विशिष्ट हालात में इस्तेमाल किया जाता है। इन देशों में कानूनी दृष्टिकोण इस मान्यता पर आधारित है कि व्यक्ति को इस मामले में अधिकार होना चाहिए कि वह किसके साथ अपना जीवन बिताना चाहते हैं। यानी राज्य को इस व्यक्तिगत और अंतरंग मामले में हस्तक्षेप का हक नहीं। इस सोच के पीछे अहम कारण निजी स्वतंत्रता और स्वायत्तता को सर्वोपरि माना जाना है। पति हो या पत्नी, दूसरे के साथ रहने के लिए मजबूर करना मानवाधिकार उल्लंघन माना जाता है। यह निजता के अधिकार और यह तय करने की स्वतंत्रता का हनन है कि वे निजी जीवन में कैसे संबंध रखना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त, कई देश तर्क देते हैं कि जबरदस्ती से बनाए गए रिश्ते

अक्सर अस्वस्थ और दुखद होते हैं। यदि एक साथी संबंध से बाहर निकलना चाहता है, तो उसे वापस रहने के लिए मजबूर करने से केवल तनाव, मनमुटाव और संभावित दुर्व्यवहार ही बढ़ सकता है। कानून का उद्देश्य रिश्तों को बनाए रखना होना चाहिए, लेकिन ऐसे रिश्तों को नहीं जो आपसी सहमति और सम्मान पर आधारित न हों। कुछ देशों ने इस कानून को इसलिए समाप्त कर दिया कि यह लैंगिक रूप से पक्षपातपूर्ण है। इस का इस्तेमाल अक्सर महिलाओं को उनके अनिच्छुक पतियों के साथ वापस रहने के लिए मजबूर करने को किया जाता था, जबकि पुरुषों को ऐसी बाध्यता का सामना शायद ही कभी करना पड़ा। भारत में भी अदालतें वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना कानून के बारे में चिंताएं व्यक्त कर रही हैं। उनका मानना है कि इस कानून का इस्तेमाल किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध विवाह में बने रहने के लिए मजबूर करने के लिए किया जा सकता है। यह चिंता महिलाओं के लिए अधिक है, जिन्हें अक्सर अपने पति के साथ रहने के लिए बाध्य किया जाता है, भले ही वे दुर्व्यवहार, क्रूरता झेल रही हों। अदालतों की चिंता यह भी कि क्या यह कानून नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। मुख्य रूप से, अदालतें निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकारों के संभावित उल्लंघन पर फोकस कर रही हैं, जिसकी अनुच्छेद 21 के तहत गारंटी है। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने टी. सरिता बनाम टी. वेंकट सुब्बैया (1983) के अहम मामले में हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9, जो वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना से संबंधित है, को असंवैधानिक घोषित किया था। तर्क दिया था कि यह कानूनी प्रावधान व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता के अधिकार का उल्लंघन करता है। इस मामले में न्यायमूर्ति पी.ए. चौधरी ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि यह धारा एक व्यक्ति को उसकी शारीरिक स्वायत्तता से वंचित करती है, जिससे राज्य को निजी संबंधों के क्षेत्र में हस्तक्षेप की अनुमति मिल जाती है, जो अस्वीकार्य है। हालांकि, इस निर्णय को अगले ही वर्ष, सरोज रानी बनाम सुदर्शन कुमार चोपड़ा (1984) के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पलट दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने धारा 9 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखते हुए तर्क दिया कि इस प्रावधान का मुख्य उद्देश्य वैवाहिक कलह रोकना और विवाह संस्था को संरक्षित करना है।

विराट और उनकी कालजयी विराटता

डेढ़ दशक में विराट ने वह सब हासिल कर लिया है जिसकी चाहना तमाम खिलाड़ियों को होती है, लेकिन हासिल बहुत कम कर पाते हैं, एक 'लीजेंड' का दर्जा। टेस्ट क्रिकेट का शुभंकर, बल्लेबाज़ी की लासानी प्रतिभा और एक बेहतरीन कप्तान। खेलना जारी रखूं या नहीं, यही सवाल उनके दिमाग को परेशान और रातों को बेचैन कर रहा होगा।वह विराट, जो चुनौतियों में फला-फूला था और जिसे तगड़ा मुकाबला पसंद था, आखिरकार उसने खुद को यह समझा लिया कि अब मैदान से हटने और जीवन में आगे बढ़ने का समय आ गया है। जीवन में 'केवल' क्रिकेट के अलावा भी बहुत कुछ है।

प्रदीप मैगज़ीन

हर वह चीज़ जिसकी शुरुआत है, उसका अंत भी है, चाहे वह जीवन हो या खिलाड़ी का करियर। इन दो छोरों के बीच, सफलता-असफलता, खुशी-गम, जीत-हार के साथ जीवन संघर्ष अपने आप में एक अप्रत्याशित यात्रा है। खेल की दुनिया में, रिटायरमेंट चाहे मजबूरी में हो या स्वेच्छा से, वह अंतिम मुकाम है, जहां पर खेल-यात्रा खत्म हो जाती है। टेस्ट क्रिकेट में विराट कोहली की पारी खत्म हो गई है। कई लोगों का मानना है कि यह समय से पहले लिया गया फैसला है, जबकि कोहली का मानना है उनके पास टेस्ट क्रिकेट की कठिन दरकारों में सफल होने के वास्ते जो ऊर्जा, मानसिक शक्ति और कौशल होना चाहिए, खासकर इंग्लैंड जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में, अब पहले जैसा नहीं रहा। यहां तक कि दस हजार टेस्ट रन का मील का पत्थर, जो कि बहुत करीब था, वह भी इंग्लैंड जाने और क्रिकेट के मैदान पर अपनी ज्वलनशील ऊर्जा को बाहर निकालने का पर्याप्त लालच न बन पाया।

कोहली अब 36 वर्ष के हैं, दो बच्चों के पिता हैं। उनकी जीवन संगिनी फिल्म स्टार अनुष्का हैं, जिन्होंने एक व्यक्तित्व के रूप में उनके विकास में बहुत योगदान दिया है। जीवन के बही-खाते में, यह एक ऐसी उम्र है जब पूरी दुनिया आपके आगे होती है, पीछे नहीं। लेकिन एक खिलाड़ी के जीवन में, यह वह उम्र होती है जहां करिअर का अंत सामने नज़र आने लगता है। मन चाहे करे, लेकिन शरीर साथ नहीं देता। हालांकि, कोहली के मामले में इसका उल्टा है। टेस्ट क्रिकेट में उनकी फॉर्म भले ही पहले जितनी न रही हो लेकिन उनकी फिटनेस का स्तर किसी किशोर को भी शर्मिंदा कर सकता है। सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट प्रारूप में उनकी सफलता और आईपीएल की फॉर्म के बूते उनकी प्रतिष्ठा जस की तस है, तथापि उनका मानना है कि अब उन्हें उस प्रारूप को अलविदा कर देना चाहिए जिसे वह सबसे ज़्यादा प्यार करते हैं, जिसे उन्होंने 'खून, पसीने और आंसू' से सींचा है। एक ऐसा प्रारूप जिसे वह 'इश्क' करते हैं और जिसने उन्हें एक व्यक्ति के रूप में 'आकार' दिया।

पारंपरिक ज्ञान यह कहता है कि आप अपने पास वही रखें जो आपको सबसे ज़्यादा पसंद है और जो अधिक महत्त्वपूर्ण न हो और जिसमें सार और अर्थ नहीं है, उसे तज दें। तब क्यों न सफ़ेद टेस्ट क्रिकेट की बजाय सफेद गेंद वाले प्रारूप को छोड़ते? लेकिन! समस्या यहीं पर है। अपनी अपार लोकप्रियता और प्रशंसकों के अलावा, कम ओवर वाले क्रिकेट प्रारूप (आईपीएल) को मानसिक और शारीरिक रूप से इसके लघु प्रारूप यानी टी-20 के मुकाबले संभालना ज्यादा आसान है।

शायद यह 'धंधा' इस मायने में मजेदार है, जिसमें विफलता बहुत नुकसान नहीं पहुंचाती और न ही सफलता यह महसूस करवाती है कि आप शिखर पर पहुंच गए हैं। और आईपीएल में आप जो करोड़ों कमाते हैं, वह इसे न छोड़ने के लिए एक अतिरिक्त प्रोत्साहन है। यह किसी राष्ट्र के लिए न होकर एक व्यावसायिक उद्यम के लिए प्रतिबद्धता है, जहां विफलता का जोखिम 'विश्वासघात' के बराबर नहीं है। प्रतिबद्धता, अनुशासन और एकाग्रता का प्रतीक विराट, प्रतिद्वंद्वियों का ध्यान अपने शारीरिक हाव-भावों से भंग करने वाली खूबी रखने के साथ खेल के लघु संस्करण में प्रतिद्वंद्वियों को चबाने की ताब रखते हैं। वह बल्लेबाजी, दौड़ने और मानसिक दृढ़ता में उन्हें मात दे सकते हैं। वे अब क्रिकेट के सबसे कठिन प्रारूप यानी टेस्ट क्रिकेट में ऐसा नहीं कर सकते।

उनके पास अपने खेल में रिस चुकी तकनीकी कमियों से पार पाने और पूरे पांच दिनों तक विस्फोटक स्तर को बनाए रखने के लिए पहले जितनी ऊर्जा और ताकत नहीं रही। सही मायने में विराट वीरता का सबसे बढ़िया मूर्त रूप हैं। वह निडर योद्धा, जो अपने विरोधियों को छकाने करने के लिए खुद को महामानव-सी ऊर्जा से भर लेता है। दुनिया के क्रिकेट इतिहास में दुर्लभ और भारत में भी इससे पहले ऐसा कोई नहीं हुआ जिसकी आक्रामकता, यहां तक कि अपनी तीव्र और कठोर अभिव्यक्ति में, जैन मुनियों जैसी एकाग्रता के साथ शानदार प्रदर्शन करने से लैस हो। उनकी कप्तानी का रिकॉर्ड इसी कारण से शानदार है कि उन्होंने मैदान में टीम को बिजली के करंट जैसी ऊर्जा से भर दिया, जिसने उन्हें टेस्ट क्रिकेट का 'पोस्टर ब्वॉय' बना दिया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि इस काम ने उन्हें थका दिया है। जैसे-जैसे समय बीतता गया, उन्हें खुद अपने कुछ पहलू नहीं भाए, फिर भी वे अपनी ही छवि के कैदी बने रहे। उन्हें न चाहते हुए भी 'प्रदर्शन' करना पड़ा। एक बल्लेबाज के रूप में उनकी गिरती सफलता दर के साथ, उन्हें 'अवसाद' का सामना करना पड़ा और इससे पार पाने का रास्ता तलाशने के लिए बेताब रहे।

हेल्थ

औषधीय गुणों से भरपूर होता है

मुनक्का वाला दूध

मुनक्का एक प्रकार का ड्राई फ्रूट होता है जो अपने गुणों के लिए जाना जाता है। आयुर्वेद में मुनक्का के की औषधीय गुण पाए जाते हैं। मुनक्का को दूध में भिगोकर इसका सेवन करने से सेहत को कई तरह के फायदे मिलते हैं। आज हम आपको मुन्नके वाला दूध पीने के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं इस बारे में- मुनक्का अपने नेचुरल गुणों के लिए जाना जाता है, जो डाइजेस्टिव हेल्थ को बनाए रखने में मदद कर सकता है। इसे दूध में भिगोने से उनकी प्रभावशीलता बढ़ जाती है। मुनक्का में फाइबर की मात्रा मल त्याग को नियमित करने में मदद करती है, जबकि दूध में मौजूद प्रोबायोटिक्स हेल्दी गट बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं। साथ ही, मुनक्का कब्ज को ठीक करता है और पेट के लिए फायदेमंद साबित होता है।

डायबिटीज को करे कंट्रोल

मुनक्के में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो डायबिटीज को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। मुनक्के वाले दूध पीने से ब्लड शुगर का लेवल सामान्य रहता है।

हार्ट हेल्थ के लिए

मुनक्के में पोटैशियम, मैग्नीशियम, और फाइबर होते हैं जो हार्ट हेल्थ को बढ़ावा देते हैं। मुनक्के वाले दूध पीने से हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

मुनक्के में विटामिन सी और ई होते हैं जो स्किन और बालों के लिए फायदेमंद होते हैं। मुनक्के वाला दूध पीने से स्किन ग्लोइंग और स्मूद बनती है।

नींद लाने में फायदेमंद

क्या आपको भी रात में नींद नहीं आती है? इसके लिए दूध में भिगोए हुए मुनक्का आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। दूध और मुनक्का दोनों में ही नेचुरल कंपाउंड पाए जाते हैं जो आपको रिलैक्स रखने और नींद लाने में मदद करते हैं। मुनक्का, मेलाटोनिन का काफी अच्छा सोर्स माना जाता है। यह एक ऐसा हार्मोन है जो नींद के पैटर्न को नियंत्रित करता है, जबकि गर्म दूध अपने शांत प्रभावों के लिए जाना जाता है। सोने से पहले दूध और मुनक्का का सेवन करने से आपको आराम मिलता है और आपकी नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करे

मुनक्के में पोटैशियम होता है जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। मुनक्के वाले दूध पीने से ब्लड प्रेशर नॉर्मल रहता है और हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है।

ब्यूटी टिप्स

किचन की इन चीजों से निखारें अपना चेहरा

सुंदर दिखना किसे पसंद नहीं है? हर इंसान खूबसूरत दिखना चाहता है। इसके लिए वो कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट से लेकर पार्लर में अपना पैसा खर्च करता है। इससे थोड़े समय के लिए चेहरे पर ग्लों तो आ जाता है परंतु नेचुरल खूबसूरती नहीं मिलती। ऐसे में आप अपने स्किनकेयर रूटीन में रसोई में मौजूद सामानों का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपको नेचुरल ब्यूटी तो देगा ही साथ ही आपके पैसों की भी बचत करेगा। तो चलिए जानते हैं किचन में मौजूद उन 5 चीजों के बारे में जिसकी मदद से हम आसानी से स्किन को निखार सकते हैं।

हल्दी

हल्दी सदियों से चेहरे के लिए इस्तेमाल होता आया है। यह चेहरे से दाग-धब्बों को दूर कर चेहरे पर नेचुरल ग्लो लाता है। इसे दही या दूध में मिलाकर चेहरे पर मास्क की तरह लगा सकते हैं।

शहद

एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण से भरपूर शहद स्किन को हाइड्रेट रखने का काम करती है। इसे फेस मास्क के तौर पर 10 मिनट के लिए चेहरे पर लगाकर छोड़ दें। इसके इस्तेमाल से चेहरा बेदाग और सॉफ्ट रहती है।

खीरा

खीरे में 95 प्रतिशत पानी होता है और भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। यह चेहरे पर सूजन को कम करता है और स्किन को हाइड्रेट रखता है। खीरे के टुकड़ों को अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर छोड़ दें। चाहे तो इसे फेस मास्क में मिलाकर लगा सकते हैं।

दही

दही में लैक्टिक एसिड होता है। यह नेचुरल एक्सफोलिएंट के तौर पर काम करता है। इसे शहद या फिर हल्दी के साथ मिलाकर फेस पैक के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

नींबू

नींबू में विटामिन C पाया जाता है यह स्किन पर नेचुरल ग्लो लाता है। नींबू के रस को शहद के साथ या फिर फेस पैक में मिलाकर यूज कर सकते हैं। नींबू को सीधे अपने चेहरे पर न लगाएं।

हंसना मना है

टीचर: बेटा अगर सच्चे दिल से प्रार्थना की जाए तो वो जरूर सफल होती है।
मिंटू: रहने दीजिए सर, अगर ऐसा होता तो आप मेरे सर नहीं, ससुर होते।
फिर क्या... मिंटू की हुई जोरदार धुनाई।

रमेश जलेबी बेच रहा था, लेकिन कह रहा था आलू ले लो...आलू ले लो!
राहगीर: लेकिन ये तो जलेबी है। रमेश: चुप हो जा! वरना, मक्खियां आ जाएंगी।

लड़की वाले: हमें लड़का पसंद नहीं।
लड़के वाले: पसंद तो हमें भी नहीं लेकिन अब क्या करें घर से निकाल दें?

बेटा: मुझे शादी नहीं करनी। मुझे सभी औरतों से डर लगता है! पिता: कर ले बेटा! फिर एक ही औरत से डर लगेगा, बाकी सब अच्छी लगेंगी।

इंटरवल के बाद अंधेरे में अपनी सीट की ओर लौटती महिला ने कोने वाली सीट पर बैठे व्यक्ति से पूछा: भाई साहब, क्या बाहर जाते समय मैंने गलती से आपका पैर कुचल दिया था? दर्शक (गुस्से में): हां, कुचला था, पर अब क्यों माफी मांग रही हो? महिला: माफी-वाफी नहीं भैया, इसका मतलब कि मेरी सीट इसी लाइन में है।

कहानी

चार मूर्ख

एक दिन राजा कृष्णचंद्र के मन में एक बात आई कि इस संसार में मूर्खों का ठिकाना नहीं है। परन्तु मै चार मूर्ख देखना चाहता हूँ। राजा ने गोपाल भांड से कहा कि इस ढंग के चार मूर्ख तलाश करो कि जिनके जोड़ के दूसरे न मिलें। गोपाल भांड ने कहा कि जो आज्ञा राजन ढूंढने वालों को क्या नहीं मिल सकता है। केवल सच्ची लगन होनी चाहिए। कुछ दूर जाने के बाद गोपाल भांड को एक आदमी दिखाई दिया। जो थाली में पान का एक जोड़ा, बीड़ी मिठाई लिए बड़े उत्साह से नगर की तरफ जल्दी-जल्दी भागा जा रहा था। गोपाल ने उस आदमी से पूछा कि क्यों साहब! यह सब सामान कहाँ लिए जा रहे हो? आपके पैर खुशी के मारे जमीन पर नहीं पड़ रहे हैं? आपकी खुशी के इस कारण को जानने की मुझे बड़ी इच्छा है। इसलिए थोडा कष्ट करके बतलाते जाइये। उस आदमी ने बातें टालने की कोशिश की क्योंकि वह अपने नियत स्थान पर जल्दी पहुंचना चाहता था। परन्तु गोपाल ने उसे बार बार आग्रह किया तब वह व्यक्ति बोला-यद्यपि मुझे विलम्ब हो रहा है, फिर भी आपके इतना आग्रह करने के कारण बता देना भी जरुरी है। मेरी पत्नी ने एक दूसरा पति रख लिया है, दोनों की आज शादी है इसलिए उसके निमंत्रण पर जा रहा हूँ। गोपाल ने सोचा- इसके जैसा मूर्ख और कहाँ मिलेगा? अत: उसने अपना परिचय देकर उसे रोक लिया और कहा तुम्हें राजा के दरबार में चलना होगा, तब ही तुम निमंत्रण में जा सकते हो। वह राजा के दरबार का नाम सुनकर डर गया लेकिन लाचार होकर गोपाल के साथ हो लिया। गोपाल उसको लेकर आगे बढ़ा। दैवयोग से रास्ते में एक घोड़ी सवार मिला वह स्वयं तो घोड़ी पर सवार था परन्तु उसके सिर पर एक बड़ा गट्ठर रखा हुआ था। गोपाल ने उस आदमी से पूछा। क्यों भाई ! यह क्या मामला है? अपने सिर का भार आप अपनी घोड़ी पर लादकर क्यों नहीं ले जा रहे हैं? उस आदमी ने उत्तर दिया भैया! मेरी घोड़ी गर्भवती है इस अवस्था में अधिक बोझ गट्ठर मैंने अपने सिर पर रख लिया है। यह मुझे ढो रही है, इतना ही क्या कम है? गोपाल ने उसे भी अपने साथ ले लिया। अब दोनों व्यक्तियों को अपने साथ लेकर राजा के पास पहुंचा और राजा को निवेदित किया। ये चारों मूर्ख आपके सामने हैं राजा ने कहा ये तो केवल दो ही हैं अन्य दो मूर्ख कहां हैं ? गोपाल तपाक से बोला-तीसरा मूर्ख स्वयं हुजुर हैं, जिसे ऐसे मूर्खों को देखने की इच्छा हुई और चौथा मूर्ख मैं हूँ जो इन्हे ढूंढ़कर आपके पास लाया हूं। राजा कृष्णचंद्र को गोपाल के विनोद युक्त शब्दों ने प्रसन्नता प्रदान की और जब सबने उन दोनों मूर्खों के बारे में कहानी सुनी तो पेट पकड़कर हंसने लगे।

3 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

घर-बाहर विवाद को बढ़ावा न दें। कारोबारियों को कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

वृषभ

मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन

भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

कर्क

यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है।

सिंह

किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

कन्या

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है।

तुला

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। सहकर्मी साथ नहीं देंगे।

धनु

स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है।

मकर

कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

कुम्भ

व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। थकान रह सकती है। परिवारसंग तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। नौकरीपेशा की यात्रा संभव है।

मीन

चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें।

बॉलीवुड | मन की बात

शादी के छह महीने के दौरान हम लोगों ने मात्र 21 दिन साथ बिताए : अनुष्का

शादी और करियर के बीच संतुलन बनाना आसान काम नहीं है। खासकर तब जब आप बहुत बड़े शख्स से शादी कर लें। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने एक बार बताया था कि अपनी शादी के शुरूआती दिनों में उनके और विराट कोहली के शेड्यूल कितने व्यस्त थे। उन्होंने बताया कि उन्हें थोड़ा वक्त निकालने में भी बहुत मुश्किल होती थी। हाल ही में अनुष्का शर्मा ने वोग इंडिया से बातचीत में बताया शादी के बाद हमने पहले छह महीने के दौरान सिर्फ 21 दिन साथ में बिताए। मैंने इसका हिसाब लगाया। विराट कोहली मैचों के लिए बाहर रहते थे और अनुष्का लगातार फिल्म की शूटिंग में व्यस्त रहती थीं। ऐसे में एक साथ खाना खाने के लिए समय निकालना एक छोटी सी जीत की तरह लगता था। अनुष्का ने कहा, जब मैं विदेश में उनसे मिलने जाती हूं, तो यह छुट्टी नहीं होती- बल्कि साथ में एक बार खाना खाना होता है। वह वक्त बहुत कीमती होता है। अनुष्का ने इस बात से इंकार किया कि उनका एक-दूसरे से मिलना ग्लैमरस होता है। उन्होंने कहा जब मैं विराट से मिलने जाती हूं या जब वह मुझसे मिलने आते हैं, तो लोग मान लेते हैं कि यह छुट्टी है, लेकिन असल में ऐसा नहीं है। हम में से कोई एक शख्स हमेशा काम कर रहा होता है। दिल को छू लेने वाले इंटरव्यू में अनुष्का ने बताया कि लगातार काम करने से उन पर क्या असर पड़ा। अपनी शादी के कुछ समय बाद सुई धागा और जीरो की शूटिंग पूरी करने के बाद उन्होंने अपने आपको भावनात्मक और शारीरिक रूप से थका हुआ पाया। अनुष्का ने ब्रेक लेने के बारे में कहा मैंने अपनी टीम से कहा कि मैं अभी कुछ भी पढ़ना नहीं चाहती।

आपको बता दें अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने कई सालों की डेटिंग के बाद दिसंबर 2017 में इटली में एक समारोह में शादी की। दोनों ने साल 2021 में बेटी वामिका और 2024 में बेटे अकाय का स्वागत किया। इन दिनों विराट और अनुष्का लंदन में रह रहे हैं। वह वहां अपने बच्चों की परवरिश कर रहे हैं। वह काम के सिलसिल में भारत भी आते रहते हैं।

ऑपरेशन खुकरी में जनरल राज पाल पुनिया की भूमिका निभाएंगे रणदीप

बॉलीवुड | मसाला

रणदीप हुड्डा एक बार फिर बड़े पर्दे पर एक जबरदस्त किरदार में नजर आने वाले हैं। जाट जैसी सुपरहिट फिल्म की सफलता के बाद अब रणदीप अपनी अगली फिल्म में भारतीय सेना के सबसे साहसिक मिशन्स में से एक को जीवंत करने जा रहे हैं। एक्टर की आने वाली फिल्म का नाम है 'ऑपरेशन खुकरी', जो कि एक रियल लाइफ वॉर ड्रामा है।

यह फिल्म साल 2000 में सिएरा लियोन यानी पश्चिमी अफ्रीका के एक देश में हुए एक वास्तविक सैन्य अभियान पर आधारित है, जहां भारतीय सेना के 233 जवानों को विद्रोही बलों ने बंधक बना लिया था। यह मिशन भारतीय सेना द्वारा अब तक किए गए सबसे खतरनाक और साहसिक अभियानों में से एक माना जाता है। फिल्म में रणदीप हुड्डा मेजर जनरल राज पाल पुनिया की भूमिका निभाएंगे, जो उस वक्त 14वीं मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री के कंपनी कमांडर थे और इस मिशन की अगुवाई कर रहे थे।

प्रोजेक्ट पर क्या बोले रणदीप?

रणदीप हुड्डा ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए कहा कि यह कहानी सिर्फ हथियारों और युद्ध की नहीं, बल्कि वीरता, बलिदान और भाइचारे की है। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं ऐसे योद्धा की भूमिका निभा रहा हूं, जिसने 75 दिन तक दुश्मन के बीच फंसे जवानों को न सिर्फ जिंदा निकाला बल्कि भारत के सैन्य इतिहास में एक सुनहरा अध्याय जोड़ दिया।

'ऑपरेशन खुकरी' की कहानी

'ऑपरेशन खुकरी' की कहानी एक बेस्टसेलर किताब पर आधारित है, जिसे पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया ने प्रकाशित किया है। इस किताब के फिल्मी अधिकार अब ऑफिशियली राहुल मित्रा फिल्म्स और रणदीप हुड्डा फिल्म्स ने हासिल कर लिए हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम जोरों पर है और इसे बड़े पैमाने पर शूट किया जाएगा। फिल्म की टीम का मानना है कि 'ऑपरेशन खुकरी' न सिर्फ एक थ्रिलिंग एक्शन फिल्म होगी, बल्कि यह भारतीय सेना की वीरगाथा को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने का एक जरिया बनेगी।

एक बार फिर सुपरहीरो बनेंगे मुकेश खन्ना

बॉलीवुड | गपशप

लंबे समय से चर्चा है कि मुकेश खन्ना के टीवी सीरियल शक्तिमान पर बॉलीवुड फिल्म बनेगी। हालांकि अभी इस फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन मुकेश खन्ना एक बार फिर 1990 की दहाई के सुपरहीरो शक्तिमान के रूप में वापस आ रहे हैं। इस बार वह वीडियो फॉर्मेट में नहीं बल्कि ऑडियो फॉर्मेट में आने वाले हैं।

इस बार वह आवाज के जरिए बनेंगे सुपरहीरो

पॉकेट एफएम शक्तिमान शो को एक नई मूल ऑडियो सीरीज के तहत दोबारा पेश करने वाला है। इसमें मुकेश खन्ना एक बार फिर सुपरहीरो बन रहे हैं। इस बार वह आवाज के जरिए सुपरहीरो बनेंगे।

पॉकेट एफएम ने इस ऑडियो सीरीज के बारे में इंस्टाग्राम पर जानकारी दी है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है जिस लीजेंड पर आप पहले विश्वास करते थे, वह पहले कभी न देखे गए अवतार में वापस आ रहा है। जल्द ही शक्तिमान ऑडियो सीरीज आ रही है, सिर्फ पॉकेट एफएम पर। पाकेट एफएम ने इंस्टाग्राम पर जो पोस्ट शेयर की है उसमें एक वीडियो भी है। वीडियो में शक्तिमान के रूप में मुकेश खन्ना मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो पर लिखा है शक्तिमान ऑडियो सीरीज जल्द आ रही है। 20 सालों तक भारत ने अपने सुपरहीरो का इंतजार किया। 20 साल के अंधेरे के बाद वह फिर से जाग गया है। शक्तिमान ऑडियो सीरीज जल्द आ रही है। इस पोस्ट को देखकर कई यूजर उत्साहित हैं। पोस्ट पर कई यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। कई यूजर्स पोस्ट पर दिल और फायर वाला इमोजी कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है छोटी छोटी मगर मोटी बातों का इंतजार है। आपको बता दें शक्तिमान एक सुपरहीरो टेलीविजन सीरीज थी। यह सितंबर 1997 से मार्च 2005 तक डीडी नेशनल पर प्रसारित हुआ। यह सीरीज काफी मशहूर थी। इसे बच्चों ने खूब पसंद किया। इस शो के बाद 2011 में शक्तिमान- द एनिमेटेड सीरीज और 2013 में एक टेलीविजन फिल्म, हमारा हीरो शक्तिमान आई।

अजब-गजब | देशभक्ति की मिसाल है यह गांव!

छत्तीसगढ़ का ऐसा गांव, जहां हर घर से है एक फौजी

जांजगीर चांपा। हर घर से एक फौजी, हर दिल में देशभक्ति किरित गांव में शायद ही कोई ऐसा घर हो, जहां से कोई सेना में न गया हो, यहां के बच्चों का सपना बचपन से ही एक ही होता है। वर्दी पहनना और देश की सेवा करना, सुबह की शुरुआत गांव में दौड़ और शारीरिक अभ्यास से होती है, और यह सिलसिला तब तक नहीं रुकता जब तक गांव के मैदान से 'जय हिंद' की गूंज न सुनाई दे। किरित गांव देशभक्ति की मिट्टी में पला-बढ़ा एक अनोखा गांव, जहां हर सुबह देश के लिए धड़कता है दिल, और हर घर से निकलता है एक फौजी, आपको बता दे कि छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में बसा एक छोटा-सा गांव किरित पूरे देश के लिए प्रेरणा बन गया है।

इस गांव की खासियत यह है कि यहां के 100 से भी अधिक युवक भारतीय सेना में सेवा दे रहे हैं, जिसमें से कुछ थलसेना में हैं, तो कुछ वायुसेना और नौसेना में भी कार्यरत हैं, यह गांव देशभक्ति की एक जीवंत मिसाल है। इसलिए इस गांव को सैनिक नगरी भी कहा जाता हैं ग्रामीण और सैनिक के पिता अमृतलाल चंद्रा ने बताया की किरित गांव सिर्फ एक नाम नहीं, यह देशभक्ति की मिसाल है, यहां के बच्चों की आंखों में वर्दी का सपना है, और कदमों में वह जज्बा जो देश के लिए कुछ कर गुजरने की प्रेरणा देता है, यह गांव पूरे देश को यह संदेश देता है, अगर इरादा मजबूत हो, तो हर गांव एक प्रेरणा बन सकता है। सैनिक के पिता घसियाराम साहू ने बताया की सुबह 3 बजे उठकर ट्रेनिंग होती है।

यह गांव केवल सपने नहीं देखता, उन्हें साकार भी करता है सुबह 3 बजे से ही गांव के 40 से 50 बच्चे मैदान में उतर जाते हैं, जहां उन्हें प्रशिक्षण देने का जिम्मा संभालते हैं गांव के ही एक रिटायर्ड सैनिक, अनुशासन, मेहनत और समर्पण के साथ दी जाने वाली यह ट्रेनिंग इन युवाओं को फिजिकल टेस्ट से लेकर मानसिक रूप से भी सेना के लिए तैयार करती है, राजन कुमार पात्रे ने कहा की पुरानी परंपरा, नई प्रेरणा गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि यह परंपरा नई नहीं है, दशकों पहले जब कोई फौजी गांव लौटता था, तो पूरा गांव उसे फूलों से स्वागत करता था, उसकी वीरता की कहानियाँ बच्चों को सुनाई जाती थीं, और वही कहानियाँ आज बच्चों के मन में देशसेवा की लौ जलाए हुए हैं।

यहां दिखा ब्रिटिश शासनकाल का नायाब नमूना, 80 साल से दे रहा ठंडी हवा

सहरसा के मोइउद्दीन राइन के घर में 80 साल पुराना ब्रिटिश जमाने का पंखा आज भी बेहतर तरीके से काम कर रहा है और ठंडी हवा दे रहा है। यह पंखा 1930 का ब्रिटिश इलेक्ट्रॉनिक वर्क मॉडल है। क्या आपने कभी 80 साल पुराना ब्रिटिश जमाने का पंखा देखा है? जिस पंखे की चर्चा हम इस रिपोर्ट में कर रहे हैं। वह आज भी बेहतर तरीके से काम कर रहा है और ठंडी हवा दे रहा है। यह सुनकर आपके मन में सवाल जरूर आएगा कि भला 80 साल पुराना पंखा अच्छे तरीके से कैसे काम कर रहा है। दरअसल, सहरसा से एक अजब-गजब तस्वीर सामने आई है। सहरसा के इस्लामिया चौक के रहने वाले मोइउद्दीन राइन के घर के बरामदे पर 80 साल पुराना एक पंखा लगा हुआ है, जो अभी भी बेहतर तरीके से काम कर रहा है। पंखे का ढांचा काफी अलग है और यह पंखा 1930 का है। यह ब्रिटिश इलेक्ट्रॉनिक वर्क मॉडल का बताया जा रहा है। मोइउद्दीन ने बताया कि उनकी उम्र 40 से अधिक है और तब से इस पंखे को देख रहे हैं। यह पंखा दादा के समय से लगा हुआ है और पिता ने इसे संभाल कर रखा है। आज भी यह पंखा ठंडी हवा देता है और गर्मी से राहत मिलती है। इस पंखे के सामने बड़े-बड़े ब्रांड के पंखे भी फेल हैं। बाहर से जब भी घर में प्रवेश करते हैं, तो कुछ देर इस पंखे के पास जरूर बैठते हैं और ठंडी हवा लेते हैं। यह पंखा जो कोई देखता है, दंग रह जाता है। पंखे का ढांचा इस तरह बना हुआ है कि लोग ताज्जुब करते हैं। ब्रिटिश जमाने का यह पंखा आज भी उसी अंदाज में चलता है। मोइउद्दीन ने बताया कि इस पंखे में अब तक किसी प्रकार की कोई खराबी नहीं आई है। सिर्फ पर्व-त्यौहार पर पंखे पर रंग-रोगन का काम करवाया जाता है। रिपेयरिंग के नाम पर हर साल सिर्फ कंडेंसर बदला जाता है। कोई मेहमान जब दरवाजे पर आकर इस पंखे की हवा लेते हैं, तो एक सवाल जरूर आता है कि आखिर यह पंखा कब का है। जब भी इस पंखे को देखते हैं, तो हमारे पूर्वजों की याद आती है और यह महसूस होता है कि उनका धरोहर आज भी हमारे दरवाजे पर मौजूद है।

मोदी सरकार ने पर्यटकों को सुरक्षा मुहैया नहीं कराई : कांग्रेस अध्यक्ष

ऑपरेशन सिंदूर को खरगे ने बताया एक छोटा युद्ध

» सैन्य अभियान का इस्तेमाल बिहार विस चुनाव में लेने की कोशिश में भाजपा: पीयूष बबेले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऑपरेशन सिंदूर को छोटा युद्ध करार देते हुए दक्षिण कश्मीर की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को मारे गए 26 पर्यटकों के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने में विफल रहने के लिए केंद्र की आलोचना की। कर्नाटक में समर्पण संकल्प रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने पहलगाम आतंकी हमले से तीन दिन पहले खुफिया रिपोर्ट मिलने के बाद अपना कश्मीर दौरा रद्द कर दिया था। पहलगाम आतंकी हमले पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पहलगाम में 26 लोग इसलिए मारे गए क्योंकि मोदी सरकार ने वहां पर्यटकों को सुरक्षा मुहैया नहीं कराई।

मोदी कश्मीर नहीं गए क्योंकि खुफिया एजेंसियों ने उन्हें ऐसा करने से मना किया था। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा कि आपने पर्यटकों से वहां (पहलगाम) न जाने के लिए क्यों नहीं कहा? अगर आपने उन्हें बताया होता, तो 26 लोगों की जान बचाई जा सकती थी और यह छोटा सा युद्ध।

ट्रंप के मामले पर खामोश क्यों हैं पीएम: डी राजा

सीपीआई महासचिव डी राजा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विमान के नुकसान पर सवाल उठाने वाली टिप्पणी का समर्थन किया और सवाल किया कि प्रधानमंत्री इस तरह के मामले पर अपना मुंह क्यों नहीं खोलते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को संसदीय लोकतंत्र का सम्मान करना चाहिए। राजा ने एएनआई से कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और प्रधानमंत्री क्यों नहीं अपना मुंह खोलते और ऐसे मामले पर बोलते हैं? केवल राहुल गांधी ही नहीं, बल्कि सभी राजनीतिक दल कई महत्वपूर्ण सवाल पूछ रहे हैं और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। डी राजा ने आगे कहा कि हालांकि डीजीएमओ ने जानकारी दी थी, लेकिन क्या प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी नहीं है कि वे जनप्रतिनिधियों को जवाब दें? फिर हमारे पास संसद क्यों है? भाजपा को संसदीय लोकतंत्र, संसद और विपक्ष का सम्मान करना चाहिए। सोमवार को राहुल गांधी ने विदेश मंत्री जयशंकर पर फिर से सवाल उठाए और उन पर इस बात पर चुप रहने का आरोप लगाया कि ऑपरेशन के दौरान भारतीय वायुसेना ने कितने विमान खोए। उन्होंने कहा कि देश को सच्चाई जानने का हक है।

विमान नुकसान के राहुल के सवाल का सीपीआई महासचिव ने किया समर्थन

कांग्रेस द्वारा भाजपा नीत सरकार पर बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक लाभ के लिए सैन्य अभियान का इस्तेमाल करने का आरोप लगाने के एक दिन बाद उनकी यह टिप्पणी आई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के मीडिया सलाहकार पीयूष बबेले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आईआरसीटीसी ई-टिकट की एक तस्वीर साझा की। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत के समय ही पाकिस्तान को इस बारे में सूचित किया, जो एक अपराध है।

शशि थरूर की राह पर मनीष तिवारी

शशि थरूर द्वारा अपनी भागीदारी को उचित ठहराने के लिए राष्ट्रीय हित का हवाला दिए जाने के बाद, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक पहुंच के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने के अपने फैसले को स्पष्ट करने के लिए राष्ट्र के आह्वान का हवाला दिया है। कांग्रेस नेतृत्व ने दोनों सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने से रोकने का असफल प्रयास किया था, जिसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चार वैकल्पिक नाम प्रस्तावित किए थे। सरकार ने कांग्रेस की सूची को खारिज कर दिया, केवल आनंद शर्मा को स्वीकार किया। तिवारी ने अपने संदेश को रेखांकित करने के लिए किशोर कुमार द्वारा गाए गए 1975 की फिल्म आक्रमण से एक देशभक्ति गीत विलप पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, किशोर कुमार द्वारा राजेश खन्ना के लिए गाया गया फिल्म आक्रमण (1975) का एक गीत हमें दिखाता है कि राष्ट्र के आह्वान का जवाब कैसे दिया जाए, उन्होंने गीत के बोल उद्धृत करते हुए लिखा- देखो वीर जवानों अपने खून पे ये इल्जाम न आए, माँ ना कहे कि मेरे बेटे वक़्त पड़ा तो काम ना आये।

प्लेऑफ के लिए आज मुंबई और दिल्ली के बीच टक्कर

» क्वालिफाई करने उतरेगी मुंबई, दिल्ली की नजरें वापसी पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली मुंबई इंडियंस की नजरें प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने पर टिकी होंगी। चौथे स्थान के लिए मुंबई की टीम का सामना आज दिल्ली कैपिटल्स से होगा। अगर मुंबई की टीम ये मुकाबला जीतने में सफल रही तो 16 अंक लेकर प्लेऑफ में पहुंच जाएगी क्योंकि दिल्ली इसके बाद अधिकतम 15 अंक ही हासिल कर पाएगी। अब तक गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है।

मुंबई ने बेहद खराब शुरुआत के बाद जोरदार वापसी की और अब शीर्ष चार में शामिल है। दिल्ली की शुरुआत काफी अच्छी रही थी लेकिन टीम अपने पिछले छह मैच में सिर्फ एक जीत दर्ज कर पाई है। मुंबई इंडियंस (14 अंक) और दिल्ली कैपिटल्स (13 अंक) दोनों के पास प्लेऑफ में जगह बनाने का मौका है लेकिन वानखेड़े स्टेडियम में मेजबान टीम प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। दिल्ली कैपिटल्स को आगे बढ़ने के लिए अपने बचे हुए दोनों मुकाबले जीतने की जरूरत है। दोनों टीमों को अपने आखिरी मुकाबले पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलने हैं। मुंबई इंडियंस की फॉर्म और गहराई उनके पक्ष में है। इस मैच में बारिश का साया पड़ने की संभावना है और मौसम विभाग ने मुंबई शहर में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। मैच धुलने की संभावना को देखते हुए दिल्ली कैपिटल्स के मालिक पार्थ जिंदल ने यह मुकाबला किसी अन्य शहर में कराने का आग्रह किया है।

चेन्नई पर जीत के साथ राजस्थान का सफर समाप्त

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी और संजू सैमसन की 90+ रनों की साझेदारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हरा दिया। इसी के साथ संजू सैमसन के नेतृत्व वाली टीम का सफर टूर्नामेंट में समाप्त हो गया। ग्रुप चरण में यह उनका आखिरी मुकाबला था। वहीं, चेन्नई को अपना आखिरी मैच गुजरात टाइटंस के खिलाफ 25 मई को खेलना है। राजस्थान और चेन्नई पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 187 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने 17.1 ओवर में चार विकेट गंवाकर 188 रन बनाए और टूर्नामेंट की चौथी जीत दर्ज की।

प्रतिनिधिमंडल भेजना एक अच्छा अवसर

» माता खीर भवानी मंदिर पहुंचे उमर अबदुल्ला, जल चढ़ाया, फूल भी किए अर्पित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मूकश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि पहलगाम आतंकवादी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को दूसरे देशों में भेजना एक अच्छा अवसर है। अब्दुल्ला ने यहां बताया, इन प्रतिनिधिमंडलों में सभी बड़ी पार्टियों के सदस्य शामिल होंगे और यह महत्वपूर्ण देशों के सामने भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का एक अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा कि 2001 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान संसद पर हमले के बाद भी इसी तरह से कुछ देशों में प्रतिनिधिमंडल भेजे गए थे।

इससे पहले उमर अब्दुल्ला ने गंदेरबल के पांडच में एक वृद्धाश्रम का भी उद्घाटन किया और इसे हमारे वरिष्ठ नागरिकों के लिए सम्मान और देखभाल सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अब्दुल्ला ने सफापोरा में सरकारी इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज में विज्ञान ब्लॉक की आधारशिला भी रखी। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी आधुनिक उद्यमिता की रीढ़ है, हमारे युवाओं को भविष्य का नेतृत्व करने के लिए सुसज्जित होना चाहिए। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गंदेरबल के तुलमुल्ला में स्थित खीर भवानी मंदिर में पूजा-अर्चना की। वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय नेताओं के साथ मुख्यमंत्री ने मंदिर में पूजा-अर्चना की। कश्मीरी पंडितों के लिए इस मंदिर का गहरा आध्यात्मिक महत्व है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र में कई परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया।

सीएम को बाबा बर्फानी से उम्मीदें

उमर आगामी श्री अमरनाथ यात्रा को एक बड़े मौके के रूप में देख रहे हैं। प्रदेश में पर्यटकों की वापसी के लिए वे बार-बार दोहरा रहे हैं कि श्री अमरनाथ यात्रा के सकुशल संपन्न होने के बाद पर्यटकों का भरोसा फिर लौटेगा। मुख्यमंत्री का ये भी कहना है कि यात्रा के समाप्त होने के बाद ही पर्यटन उद्योग को मजबूती देने के प्रयास शुरू किए जाएंगे। बायसरन में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद से कश्मीर का पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ। रही सही कसर पाकिस्तान की गोलाबारी ने पूरी कर दी। एक पूरा का पूरा सीजन खराब हो गया। सात मई से 12 मई तक उड़ानें बंद रहीं। सीजफायर के बाद उड़ानें शुरू हुईं, तो पर्यटक आने शुरू हुए। इनमें अधिकतर ऐसे पर्यटक हैं, जिनकी पहले से बुकिंग थी। इससे हालात सामान्य होने लगे, मगर होटल कारोबारियों के अनुसार नई बुकिंग फिलहाल नहीं हो रही है। अब श्री अमरनाथ यात्रा पर सबकी नजर है।

टीएमसी जम्मू-कश्मीर में भेजेगी प्रतिनिधिमंडल

» पांच सांसदों का दल सीमावर्ती क्षेत्रों का करेगा दौरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी के निर्देशन में, पार्टी का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 21 मई से 23 मई, 2025 तक जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों- श्रीनगर, पुंछ और राजौरी का दौरा करेगा। प्रतिनिधिमंडल में एआईटीसी के वरिष्ठ नेता डेरेक ओब्रायन, मोहम्मद नदीमुल हक, मानस रंजन भूनिया, सागरिका घोष और ममता ठाकुर शामिल हैं।

एक आधिकारिक बयान में, पार्टी ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य सीमा पार हमलों से प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करना और उन परिवारों के दुख को साझा करना है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। यह यात्रा क्षेत्र में हाल ही में हुई हिंसा की घटनाओं के बाद हो रही है, जिससे देश भर में चिंता बढ़ गई है। यह कदम वैश्विक स्तर पर हितधारकों को जानकारी देने के लिए सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की घोषणा के बाद उठाया गया है।

मंत्री शाह की जांच के लिए गठित एसआईटी पर सवाल

» रिपोर्ट देने के नाम पर आंख मिचौली खेल रही ही मध्य प्रदेश सरकार : सिंगार

» नेता प्रतिपक्ष बोले- शाह के अधीन काम कर चुके हैं अधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। ऑपरेशन सिंदूर की सफला के बाद देश में विवादित बयान को लेकर जंग छिड़ी हुई है। कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मध्यप्रदेश सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की है।

एसआईटी टीम में सागर रेंज के आईजी प्रमोद वर्मा को मुखिया बनाया गया है। वर्मा के अलावा एक महिला और एक पुरुष आईपीएस को इस टीम में शामिल किया गया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एसआईटी में शामिल दो अफसरों पर सवाल उठाए हैं। नेता प्रतिपक्ष ने लिखा कि सरकार पर सवाल उठते हैं, क्या सुप्रीम कोर्ट को रिपोर्ट देने के नाम पर सरकार आंख मिचौली खेल रही है? या फिर एसआईटी की निष्पक्षता सिर्फ दिखावा बनकर रह गई है?

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक्स पर लिखा कि कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए आपत्तिजनक बयान के मामले में मंत्री विजय शाह के खिलाफ सरकार ने जो तीन सदस्यीय एसआईटी गठित की है, उसकी निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। सिंघार ने आगे लिखा कि सूत्रों से पता चला है। एसआइटी में शामिल आईजी प्रमोद वर्मा 2010 में एसपी खरगोन थे। उसी वक्त विजय शाह जिले के प्रभारी मंत्री थे। डी कल्याण चक्रवर्ती 2018 में एसपी खरगोन थे। उस समय विजय शाह वन मंत्री थे।

एक दिन पहले गठित हुई एसआईटी

सुप्रीम कोर्ट के बाद डीजीपी कैलाश मकवाना ने सोमवार रात को जांच के लिए एसआईटी का गठन कर इसका आदेश जारी कर दिया। तीन सदस्यीय एसआईटी में 1. प्रमोद वर्मा, आईजी सागर जोन, 2. कल्याण चक्रवर्ती, डीआईजी, 3. एसएएफ, वाहिनी सिंह, एसपी, डिउरी शामिल हैं। ये तीनों आईपीएस अधिकारी विजय शाह मामले की जांच करेंगे। गौरतलब है कि मंत्री विजय शाह ने 12 मई को महू के रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताया था। इस मामले में हाईकोर्ट के आदेश पर मंत्री के खिलाफ 14 मई को महू के मानपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। जिसके खिलाफ विजय शाह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

कैबिनेट बैठक से गायब रहे जनजातीय मंत्री विजय शाह वीडी शर्मा बोले- निजी कारण से भी हो सकते हैं गैर हाजिर

कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद से प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ली रही हैं। देवी अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर इंदौर के ऐतिहासिक राजवाड़ा में आयोजित कैबिनेट बैठक में सभी मंत्री मौजूद रहे, लेकिन विजय शाह अनुपस्थिति रहे। कैबिनेट बैठक में उनकी गैरमौजूदगी को लेकर उठे सवालों पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि कई बार मंत्री व्यक्तिगत कारणों से बैठक में शामिल नहीं हो पाते हैं, ऐसा पहले भी होता रहा है। शाह की अनुपस्थिति का यही एक संभावित कारण हो सकता है। वहीं, शाह को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि संबंधित मामला अब सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। कोर्ट के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित कर दी गई है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई समय-सीमा में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी और सरकार कोर्ट के आदेशों के अनुसार ही कार्यवाही करेगी।

पीएम मोदी के भाषण से काम नहीं चलेगा : सचिन पायलट

» कांग्रेस नेता बोले- दौरे पर राजस्थान आएं तो कोई बड़ी घोषणा करके जाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 22 मई को बीकानेर दौरे को लेकर पूरे डिप्टी सीएम कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने निशाना साधा है। सचिन पायलट ने कहा कि प्रधानमंत्री विधानसभा चुनाव से पहले भी आए और लोकसभा चुनाव से पहले भी आए, लेकिन भाषण देने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री आ रहे हैं तो उन्हें राजस्थान के लिए कोई बड़ी घोषणा करनी होगी और उस पर अमल करना होगा।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता पायलट ने कहा कि प्रधानमंत्री ने साल 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले अजमेर में ईस्टर्न कैनाल परियोजना ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की बात कही थी, उस पर आज तक अमल नहीं किया गया है। परियोजना को लेकर जो एएमयू हुआ है वह किसी के सामने नहीं आया है। पायलट ने कहा कि प्रधानमंत्री बीकानेर दौरे पर आ रहे हैं तो उन्हें राजस्थान के हित में कुछ सार्थक घोषणाएं करनी होंगी, केवल भाषण देने से काम नहीं चलेगा। सचिन पायलट ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से बजट पेश होता है तो राजस्थान के हित में कोई घोषणा सुनने के लिए कान तरस जाते हैं। कोई घोषणा नहीं होती है। वित्त मंत्री बजट पेश करते हैं, कोई घोषणा राजस्थान के हित में नहीं होती है। सचिन पायलट ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कश्मीर मामले पर दिए गए बयान को लेकर कहा कि ट्रंप ने कश्मीर का मामला सुलझाने की जो बात की है जो एक खतरनाक सोच है, क्योंकि बेवजह कश्मीर का अंतरराष्ट्रीय कारण किया जा रहा है। यह मामला भारत और पाकिस्तान के बीच का मामला है। केंद्र सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए। वहीं, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा कि कंवरलाल लाल मीणा के मामले में विधानसभा स्पीकर भाजपा और आरएसएस के दबाव में काम कर रहे हैं।

'पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का सफाया होना बहुत जरूरी'

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने मीडिया से रूबरू होते हुए आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद, जो कई दशकों से हमें टारगेट किए हुए है। चाहे कश्मीर हो, चाहे पंजाब हो, यह पूरी दुनिया जानती है। पूरा देश आतंकवाद से तंग आ चुका है। अब हम चाहते हैं कि यह समाप्त हो। जो ताकतें पाकिस्तान की जमीन पर आतंकवाद को पनपाने का काम करती हैं, उनका सफाया होना बहुत जरूरी है। इसमें कोई दो राय नहीं है, अलग-अलग बात नहीं है। सारे दल, पक्ष-विपक्ष एकजुट हैं और होना भी चाहिए। पायलट ने कहा कि हमारी सेना का जो प्रदर्शन रहा है, ऑपरेशन सिंदूर में जिस पराक्रम का परिचय उन्होंने दिया है। मुस्तैदी से न सिर्फ भारत की रक्षा की है, लेकिन उन ठिकानों को ध्वस्त किया है जो आतंकवाद की नर्सरी थी। हमारी सेना को हम सलाम करते हैं। हम तो कहते हैं न सिर्फ सैनिकों को, बल्कि उनके परिवारों को जिन्होंने अपने लोगों को हमारी सुरक्षा के लिए सरहद पर उनको भेजा है, उन परिजनों को हम साधुवाद देते हैं।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों का बड़ा ऑपरेशन, 30 नक्सली ढेर, एक जवान भी शहीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में माओवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का एक बड़ा ऑपरेशन जारी है। जवानों ने माओवादियों की एक बड़ी टीम को घेर लिया है। सुबह से चल रही फायरिंग में 30 से ज्यादा माओवादियों के मारे जाने की सूचना सामने आ रही है। बताया जा रहा है इस मुठभेड़ में एक जवान भी शहीद हो गया है। मुठभेड़ अबूझमाड़ के जाटलूर इलाके में चल रही है। अभी मुठभेड़ की शुरुआती जानकारी ही सामने आई है।

सुरक्षाबलों को इसमें बड़ी सफलता मिल सकती है। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार के मुताबिक माओवादियों के के माड़ डिवीजन के बड़े कैडर की सूचना मिलने पर डीआरजी नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंडागांव का अबूझमाड़ में ऑपरेशन चलाया है। बुधवार सुबह से मुठभेड़ जारी है। फिलहाल घटना की जांच जारी है। वहीं इससे कुछ दिन पहले छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर बीजापुर जिले के कर्रेगुट्टा के जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 5 नक्सली मारे गए थे। सुरक्षा बलों ने सबसे बड़ा नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया था। तलाशी अभियान और मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों ने ये जानकारी दी है। तेलंगाना, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ इन तीनों राज्यों के हजारों की संख्या में जवान ऑपरेशन पर हैं।

प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर 'सुप्रीम' रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर को अग्रिम जमानत दे दी, जिन पर 2022 की सिविल सेवा परीक्षा के लिए पात्रता प्राप्त करने के लिए दस्तावेजों में जालसाजी करने का आरोप है।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने खेडकर को धोखाधड़ी मामले की जांच में सहयोग करने का भी निर्देश दिया। हालांकि, दिल्ली पुलिस के वकील ने खेड़कर की अग्रिम जमानत का कड़ा विरोध किया और जांच में उनकी ओर से असहयोग का हवाला दिया तथा कहा कि उनके खिलाफ आरोप गंभीर हैं। शीर्ष अदालत ने पूछा कि खेडकर ने किस तरह का गंभीर अपराध किया है। पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि वह ड्रग माफिया या आतंकवादी नहीं है।

पाक या नर्क जावेद अख्तर के बयान से सुलग गया पाकिस्तानी बोला-गो टू हेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

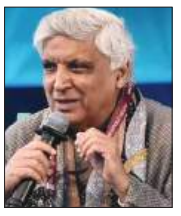

मुंबई। भारतीय गीतकार जावेद अख्तर ने पाक को लेकर एक बयान दिया था, जिसके बाद एक पाकिस्तानी पत्रकार को मिर्ची लग गई। उसने जावेद अख्तर के लिए विवादित बयान दे दिया। जावेद अख्तर ने हाल ही में कहा था कि अगर मुझे पाकिस्तान और नर्क में से किसी एक जगह को चुनना होगा तो नर्क को चुनूंगा।

जावेद अख्तर के बयान के बाद पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने जावेद अख्तर के लिए कहा, नर्क में चले जाओ। वहीं एक अन्य पाकिस्तानी कलाकर ने भी प्रतिक्रिया दी। पाकिस्तानी एक्टर और फिल्म प्रोड्यूसर अदनान सिद्दीकी ने जावेद अख्तर को पढ़ा-लिखा बेवकूफ करार दे दिया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर इसको लेकर एक पोस्ट शेयर की थी।

दरअसल जावेद अख्तर ने हाल ही एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। उन्होंने इस दौरान पाकिस्तान को लेकर प्रतिक्रिया दी थी। जावेद अख्तर ने कहा था। मुझे इधर और उधर दोनों जगह के एक्सट्रीमर गाली देते हैं। अगर किसी एक ने गाली देना बंद किया तो मुझे दिक्कत हो जाएगी। एक कहता है तुम काफिर और दूसरा कहता है जिहादी हो। पाकिस्तान चले जाओ।

गाजीपुर में दर्दनाक हादसा : सिपाही समेत चार की मौत

» काशीदास की पूजा में टेंट में उतरा करंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। गाजीपुर के मरदह थाना के नरवर गांव में काशीदास पूजन के आयोजन में बांस लगाने के दौरान ऊपर से गुजर रहे हाइटेंशन तार से दर्दनाक हादसा हो गया।

बांस स्पर्श कर जाने से सात लोग करंट की चपेट में आकर अचेत हो गए। सभी को अचेतावस्था में उपचार हेतु मऊ स्थित चिकित्सालय में ले जाया गया। हाइटेंशन तार के चपेट में आने वाले रविंद्र यादव (28, गोरख यादव (20, छोटू यादव (35, संतोष यादव (25, अमन यादव (22, अमेरिका यादव (16, जितेंद्र यादव (16) को मऊ चिकित्सालय भेजा गया है। दर्दनाक हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने झुलसे लोगों को एंबुलेंस की सहायता से अस्पताल भिजवाया। जानकारी के अनुसार, मरदह थाना के पिपनार गांव में काशीदास बाबा की पूजा की तैयारी के दौरान झंडा लगा रहे सात लोग हाइटेंशन तार की चपेट में आ गए। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। मृतकों में रविंद्र यादव, अजय यादव, छोटेलाल, अमन यादव शामिल हैं। वहीं, अमेरिका यादव, संतोष यादव, जितेंद्र यादव गंभीर हैं, जिनका इलाज चल रहा है। मृतकों में रविंद्र यादव उत्तर प्रदेश पुलिस में कॉन्सटेबल था। वह आंबेडकर नगर जनपद में तैनात था।

बुधवार की सुबह करीब साढ़े छह बजे लोग काशीदास पूजन की तैयारी कर रहे थे। 11 बजे से आयोजन होता तय था। इस पूजा में आसपास के जिले के लोग भी हजारों की संख्या में इकट्ठा हुए थे। पूजन में मंडप बनाने के लिए कुछ लोग बांस काटकर ला रहे थे। बांस का ऊपरी हिस्सा हाइटेशन लाइन से टच हो गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।